PWD Uttarakhand

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सातवाँ वृत्त, लोक निर्माण विभाग
गोपेश्वर

Ph.No./Fax No – 01372-252173 E-Mail – sepwdgope@rediffmail.c.om

पत्रांक : 4055/154 यातायात – 07/2014, दिनॉकः– 15 –10–2014

सेवा में,

अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०,
गोपेश्वर।

विषय : राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद चमोली के विकासखण्ड दशोली में ग्राम घुड़साल से सैकोट मोटर मार्ग का निर्माण कार्य (प्रथम चरण) का संरेखण प्रस्ताव लम्बाई 3.80 कि०मी० अनुमोदित किये जाने के सम्बन्ध में।

सन्दर्भ : आपका पत्रांक 6639/16 सी० दिनॉक 14.10.2014

उपरोक्त विषयक सन्दर्भित पत्र द्वारा प्राप्त संरेखण प्रस्ताव आपकी संस्तुति एवं आख्या के आधार पर संरेखण नं० 1 जो कन्टूर प्लान में लाल रंग से प्रदर्शित किया गया है, लम्बाई 3.80 कि०मी० हेतु अनुमोदित कर एक प्रति में संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

संलग्न : संरेखण प्रस्ताव एक प्रति में।

15/10/14

अधीक्षण अभियन्ता,
सातवॉ वृत्त, लो०नि०वि०,
गोपेश्वर

प्रतिलिपि – कनिष्ठ अभियन्ता (प्रा०) वृत्तीय कार्यालय को उक्त प्रस्ताव की प्रति सहित अभिलेख हेतु प्रेषित।

संलग्न : उपरोक्तानुसार।

अधीक्षण अभियन्ता,
सातवॉ वृत्त, लो०नि०वि०,
गोपेश्वर

संरेखण आख्या

कार्य का नामः— राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद चमोली के विकास खण्ड दशोली में ग्राम घुडसाल से सैकोट मोटर मार्ग का निर्मा (प्रथम चरण)

मार्ग की स्वीकृतिः— शासनादेश सं॰ 1971/III—(2)/13—55(प्रा॰आ॰)/2012 दिनांक 14—03—2013

स्वीकृत लम्बाई :— 8.00 किमी॰
संरेखण लम्बाई - 3.80 किमी॰

लागत :— 103.16 लाख।

संरेखण की उपयोगिताः— जनपद चमोली के विकास खण्ड दशोली के अन्तर्गत घुडसाल सैकोट मोटर मार्ग नन्दप्रयाग —देवखाल मोटर मा के किमी0 9से खड्ड साइड में प्रारम्भ होता है जो पूर्व में 3.25किमी0 के रूप में निर्मित है । इससे आगे यह मार्ग घुडसा ग्राम से प्रारम्भ होता है , जिसकी स्वीकृति शासनादेश 1971/III—(2)/13—55(प्रा॰आ॰)/2012 दिनांक 14—03—20 रु॰ 103.16 लाख की प्रथम चरण की स्वीकृति प्राप्त हुई हैं। स्थानीय ग्रामवासियों की सहमति से उक्त समरेखण प्रस्त गठित किया गया है , उक्त मार्ग के निर्माण से ग्राम घुडसाल जिसकी जनसंख्या ....448.... एवं सैकोट जनसंख्या ....70 सीधे लाभाविन्त होगे । इस समरेखण के प्रारम्भिक भाग किमी0 0.80 नाप भूमि है , शेष भूमि सिविल /वन भूमि पडती , जिसमें चीड , खडीक , तिमला आदि प्रजाति के वृक्ष है । मार्ग निर्माण के दौरान सीढी नुमा खेत होने के कारण कटिगं के दौरान (इरोजन होने से)गिरने की संभावना है । H.P. लाइन एक-इसरे के समान्तर नहीं

संरेखण का विवरणः— घुडसाल —सैकोट मोटर मार्ग का नव निर्माण हेतु सर्वे आफ इण्डिया के कन्टोल , मानचित्र पर प्रस्तावित समरेखण कम लाल व हरे रंग से दर्शाया गया है , जिसमें लाल रंग प्रस्तावित समरेखण से क्षेत्र की जनता संन्तुष्ट है , तथा तुलनात विवरण के अनुसार प्रस्तावित समरेखण (1) उचित है । अतः प्रस्तावित समरेखण जो लाल रंग से अंकित है सस्तुति स अनुमोदन हेतु प्रेषित है ।

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो॰नि॰वि॰,
गोपेश्वर (चमोली)

तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	मद का नाम	समरेखंण (1) लाल रंग में	समरेखंण (2) हरा रंग में
1.	मुख्य विषेषताऐं एवं विवरण	यह सरेंखण नन्दप्रयाग –देवखाल मोटर मार्ग के किमी0 9 से खड्ड साइड से प्रारम्भ होता है जो पूर्व में 3.25 किमी0 लम्बाई में निर्मित है , इससे आगे यह मोटर मार्ग प्रारम्भ होता है जिसमें ग्राम धुडसाल –सैकोट प्रत्यक्ष रूप से मोटर मार्ग से जु ड जायेगा	समरेखण नं. 1 के अनुसार
2.	प्रस्तावित दृष्टिकोण से समरेखण की लम्बाई	4.00 किमी. 6.00 H.P बैण्ड 3.80 किमी.	4.00 किमी. एवं 7.00 H.P बैण्ड 3.80 किमी.
3.	वर्तमान यातायात के साधन	3.25 किमी0 तक मोटर मार्ग इसके पश्चात पैदल मार्ग	3.25 किमी0 तक मोटर मार्ग इसके पश्चात पैदल मार्ग
4.	भूमि (अ) सिविल/वन भूमि (ब) कृषि योग्य भूमि 1. सिंचित 2. असिंचित	3.00 किमी. 0.80 किमी0 शून्य –	3.25 किमी. 0.55 किमी0 शून्य किमी.
5.	सूर्य प्रकाषित भूभाग	सम्पूर्ण लम्बाई में	सम्पूर्ण लम्बाई में
6.	भूस्खलन	शून्य	शून्य
7.	भूमि	मिटटी, पत्थर, आदि	मिटटी, पत्थर, अत्यधिक कठोर चट्टान आदि
8.	वनस्पति	पैड़ पौधे	पैड़ पौधे
9.	मार्ग का ढाल		
10.	अनुप्रस्थ ढाल–1. सामान्य ढाल 2. तीव्र ढाल	20 से 40 तक 30 से 60 तक	25 से 50 तक 50 से 70 तक
11.	भू–भाग 1. कठोर चट्टान 2. कोमल चट्टान	0.00 किमी. 0.500 किमी.	0.500 किमी. 0.00 किमी.

J.E

AE

क्र०सं०	मद का नाम	समरेखंण (1) लाल रंग में	समरेखंण (2) हरा रंग में
1	2	3	4
12.	अस्थिर/भूरखलन भूमि की लम्बाई	शून्य	शून्य
13.	साधन 1. लकड़ी 2. पत्थर 3. मजदूर	स्थानीय उपलब्धता स्थानीय उपलब्धता स्थानीय उपलब्धता	स्थानीय उपलब्धता स्थानीय उपलब्धता स्थानीय उपलब्धता
14.	पानी का निकास (अ) छोटे पुल संख्या व विस्तार (अ) बडे पुल संख्या व विस्तार	– एक सेतु 36 मी० विस्तार	– एक सेतु 36 मी० विस्तार
15.	वर्षा एवं जलवायु की दशा	मार्ग सर्व ऋतु योग्य रहेगा। ठंडी जलवायु	समरेखण नं० 1 अनुसार
16.	लाभांवित्त ग्रामों की संख्या (अ) प्रत्यक्ष रुप से (ब) अप्रत्यक्ष रुप से	ग्राम का नाम कोड सं० जनसंख्या घुडसाल वैडू	– समरेखण नं० 1 अनुसार
17.	वर्तमान मार्ग से प्रस्तावित मार्ग का सम्बन्ध	यह समरेखण धुडसाल –सैकोट मोटर मार्ग का नव निर्माण करने हेतु समरेखण गठित किया गया है जिसे ग्राम धुडसाल , सैकोट प्रत्यक्ष रूप से मोटर से जुड जायेगे ,जिससे इस गॉवो की जनता को यातायात की सुविधा होगी ।	समरेखण नं० 1 अनुसार
18.	सामरिक महत्व	–	–
19	हेयर पिन बैण्ड	6 नं०	नं०
20	कृषि एवं फल की दृष्टि से महत्व	क्षेत्र की मुख्य पैदावार जैसे मालटा नीबू अमरूद व स्थानीय दाले आदि का आदि का ढुलान स्थानीय बाजार में आसानी से पहुॅचने के कारण बाजार की सुविधा मिलेगी।	समरेखण नं० 1 अनुसार
21.	वन सम्पदा का उपयोग	जड़ी बूटी जैसे झूला एवं अन्य वन सम्पदा का संरक्षण हो सकेगा।	समरेखण नं० 1 अनुसार
22.	खनिज सम्पदाओं का उपयोग।	खनिज सम्पदाओं का पता लगाने में मदद मिलेगी तथा खनिज का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता को लाभ मिलेगा।	समरेखण नं० 1 अनुसार

J.E

SE

क्र०सं०	मद का नाम	समरेखंण (1) लाल रंग में	समरेखंण (2) हरा रंग में
1	2	3	4
23.	लाभ	1. इस समरेखण में मात्र 6 एच०पी० बैण्ड पड़ते हैं। 2. यह समरेखण प्रथम 1.500 किमी० सीढ़ीनुमा खेतों में गुजरता है। 3. ग्राम वासियों के मकानों को कोई क्षति नहीं होगी। 4. तकनीकी दृष्टि से यह संरेखण उपयोगी हैं। 5. इस सरेखण से ग्रामवासी भी पूर्ण रूप से सहमत हैं। 6. इस संरेखण पर मार्ग का निर्माण मितव्ययी होगा। 7. पुराने स्वीकृत समरेखण पर मानवीय क्षति होने की संभावना नही है ,पूर्व स्थापित राजकीय सम्पत्तियॉ आदि को किसी भी प्रकार का नुकसान नही पहुॅचेगा , और इस क्षेत्र की जैविक विविधा पर प्रतिकूल प्रभाव नही पडेगा ।	1. इस समरेखण में मात्र एच०पी० बैण्ड पड़ते हैं। 2. यह समरेखण प्रथम 2.00 किमी० सीढ़ीनुमा खेतों में गुजरता है। 3. ग्राम वासियों के मकानों की क्षति होने की सम्भावना आंषिक रूप में है, क्षतिग्रस्त सम्पतियों के लिए अधिक मुआवाजा देने की प्रबल स्थिति बनी हुई है। 4. नाप भूमि अधिक पड़ने, मकानों के ऊपर मलवा आने की सम्भावना के कारण तथा इस संरेखण की लम्बाई अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण निर्माण में अधिक लागत के व्यय होने से उपयोगी नहीं है। 5. अधिक लम्बाई होने के कारण तथा ग्रामीणों के अधिक खेतों के आने से ग्रामवासी कतई सहमत नहीं हैं। 6. इस संरेखण पर मार्ग का निर्माण अत्यधिक व्यय के साथ होगा तथा इस पर अधिक विस्तार के पुलियाओं का निर्माण करना पड़ेगा। 7. संरेखण संख्या 1 के अनुसार।
	हानि	1. इस समरखेण में 6 एच०पी० बैण्ड होने के कारण स्थानीय कास्तकारों की कृषि मात्र 1.500 किमी० लंबाई अधिग्रहित की जायेगी। 2. कृषि योग्य भूमि कम अधिग्रहित करने से कास्तकारों को कम हानि होगी। 3. क्षतिपूर्ति एवं मुआवजा का भुगतान कम करना पडेगा।	1. इस समरखेण में एच०पी० बैण्ड होने के कारण स्थानीय कास्तकारों की कृषि भूमि अधिग्रहित की जायेगी। 2. कृषि योग्य भूमि अधिक अधिग्रहित करने से कास्तकारों को अधिक हानि होगी। 3. क्षतिपूर्ति एवं मुआवजा का भुगतान अधिक करना पडेगा।

J.E

AE